उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज संत गाडगे प्रेक्षागृह में श्री प्रेम नारायण मेहरोत्रा द्वारा लिखित पुस्तिका 'राम नाम की मधुशाला' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर लेखक सहित विशिष्ट अतिथि डा॰ पूर्णिमा पाण्डेय पूव्य कृतलिंग भास्कर वैंच वैंस्थानक एवं सम विश्वविद्यालय, उत्तराखंड युगंडार सिद्धू सहित अन्य विशिष्ट व्यक्तियों ने उपस्थित थे। कार्यक्रम के अवसर पर लेखक नृत्यांगना सुरीको सुरिको सहित द्वारा अपनी शिष्याओं के साथ 'राम नाम की मधुशाला' पर मनोरंजन नृत्य नाटक की प्रस्तुति होनी उपलब्ध थी।

राज्यपाल ने पुस्तिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'राम नाम की मधुशाला' एक सत्यत्त संस्कृत दिलों में बसने वाला व्यक्तित्व है। भगवान राम के प्रति जानी, अजानी सभी की श्रद्धा है। भगवान राम का व्यक्तित्व आदर, पूजा एवं आई के रूप में जाना जाता है। शबरी के धृते बेर स्नेहीकर करके उन्होंने व्यवहारिकता का भी एक पक्ष प्रस्तुत किया। उनके प्रति देश ही नहीं विदेशों में भी आदर हैं। इन्दोनेशिया, साउथ एशिया, मलाशिया, थाईलैण्ड, मारिसस आदि देशों में रामायण जामिगत है। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरोहितम श्री राम के जीवन से प्रेरणा लेकर हम अपने जीवन में बदलाव का संकल्प लेते हैं।

राज्यपाल ने लेखक की सराहना करते हुए कहा कि पुस्तक के अत्यंत सरल एवं सहज है। पुस्तक को पढ़ने समय आभास होता है कि पुस्तक न होकर आपका कालवर होगा। उन्होंने 'राम नाम की मधुशाला' पर नृत्य नाटक प्रस्तुत करने वाले कलाकारों की भी सराहना की।

पुस्तक के लेखक श्री प्रेम नारायण मेहरोत्रा ने बताया कि उन्होंने हरिवंश राज रचना की 'मधुशाला' से प्रेरित होकर 'राम नाम की मधुशाला' के 108 मृत्तक 8 दिन में लिखे हैं। इस अवसर पर आयोजक द्वारा राज्यपाल एवं विशिष्ट अतिथि डा॰ पूर्णिमा पाण्डेय को स्नेहित चिन्ह भी मेंट किया गया।

-----

अंजुम/ललित/राजभवन (64/17)